

LOK SABHA

Monday, June 7, 1971 [Jyaistha 17, 1893 (Saka)]

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**Inducements for Encouraging Family Planning**

\*301. SHRI SAMAR MUKHERJEE : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) the number of cases of sterilization, insertion of loops and the number of regular users of conventional contraceptives for each year between 1968 and 1971 :

(b) what kind of inducements are being offered for encouraging the people to undertake family planning or to undergo sterilization ; and

(c) whether Government are contemplating the introduction of old age security scheme to encourage family planning ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) A statement containing the required information is laid on the Table of the Sabha.

(b) No direct inducements are offered but persuasion and education is used to secure the willing involvement of the people for acceptance of Family Planning.

(c) No. Sir.

*Statement*

Year	Sterilizations	IUCD insertions	Conventional Contraceptive acceptors	Total acceptors
1967-68	1,839,811	668,979	475,236	2,984,029
1968-69	1,664,817	478,731	960,896	3,104,444
1969-70	1,422,118	458,726	1,515,329	3,396,173
1970-71 (incomplete figures)	1,275,962	458,185	2,064,789	3,798,936

SHRI SAMAR MUKHERJEE : The Census report is now out. So, will the hon. Minister enlighten us about the total impact of family planning in regulating the population on a national scale ?

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : During 1967-68, 18,39,811 people had been sterilised, and IUCD insertions had taken place in the case of 6,68,979 persons ; conventional contraceptives had been accepted by 4,75,236 persons.

SHRI INDRAJIT GUPTA : All that has been given in the statement,

SHRI SAMAR MUKHERJEE : What has been the impact ?

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : The impact has been considerable, because the projected population growth has been arrested to a considerable extent.

SHRI SAMAR MUKHERJEE : In which State has the effect been relatively more in comparison with other States ?

SHRI INDRAJIT GUPTA : In which State has it been the most and in which has it been the least ?

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : I find that in the case of Dadra and Nagar Haveli, Nagaland, Tamil Nadu, Maharashtra, Rajasthan, West Bengal, Andhra Pradesh, Bihar and Gujarat, the impact has been felt relatively on a lesser scale.

**श्री बी० पी० मौर्य :** जहां तक आप्रेशन का सवाल है, उनकी संख्या लगातार जो आंकड़े इन्होंने दिये हैं। उनसे पता चलता है कि घटती चली जा रही है। इसके साथ साथ कुछ ऐसी भी शिकायतें आई हैं मेरे क्षेत्र से तथा और जगहों से भी जहां मैं जाता हूं कि वहां सत्तर-सत्तर साल की आयु के लोगों के आप्रेशन कर दिये जाते हैं और उनको इस गिनती में शामिल कर लिया जाता है। मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में मंत्री महोदय क्या करने जा रहे हैं।

**निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री (श्री उमाशंकर दीक्षित) :** माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है वह एक समिति हद तक सही हो सकता है। लेकिन यदि आप देखेंगे तो आपको विदित होगा कि अब उसमें स्टेबिलिटी आ रही है, स्थिरता आ रही है। शुरू में कुछ हद तक यह बात रही होगी और इस कारण चिन्ता भी रही होगी। लेकिन जब से उस पर ज्यादा ध्यान दिया गया है तब से आपने देखा होगा कि स्थिरता आ रही है। चिन्ता पैदा करने वाले आंकड़े न बढ़ कर अब जो आंकड़े दिये जा रहे हैं वे अधिक विश्वसनीय हैं।

**श्री हुकुम चन्द कछवाय :** क्या यह सही है कि रेलवे कर्मचारियों तथा काश्तकारों पर आप्रेशन कराने के लिए दबाव डाला जाता है? क्या यह सही नहीं है कि रेलवे वालों को कहा जाता है कि तुमको छुट्टी तथा तनख्वाह भी तभी मिलेगी जब तुम आप्रेशन करवा लोगे? क्या यह भी सही है कि काश्तकारों को कर्ज का पैसा या कुएं खोदने के लिए, पैसा या बीज, खाद आदि खरीदने के लिए पैसा कुछ स्थानों में तभी दिया जाता है जब वे डाक्टर का प्रमाणपत्र लेकर आते हैं?

अल्पसंख्यक लोग इस प्रकार का वहाना करके टाल देते हैं कि उनका धर्म ऐसा करवाने की इजाजत नहीं देता है। मैं एक फेमली प्लानिंग कमेंटी में गया था और वहां मुझे इसके बारे में एक डा० ने बताया था कि अल्पसंख्यकों का धर्म इजाजत नहीं देता। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह भी सही है? इसके बारे में आप क्या कर रहे हैं?

**श्री उमाशंकर दीक्षित :** माननीय सदस्य के पास हमसे भी अधिक जानकारी है, ऐसा मालूम पड़ता है। हमारे पास इस तरह के दबाव की सूचना नहीं है। मैं अपना निजी मत प्रकट करूं तो मैं कहूंगा कि थोड़ा बहुत दबाव हो तो अच्छे परिणाम हो सकते हैं। अनुचित दबाव नहीं होना चाहिए। उचित दबाव से लाभ ही होने वाला है। लेकिन हम दबाव की नीति पर नहीं चल रहे हैं। हमारा मत यह है कि सिद्धान्ततः जब जनता में इसकी स्वीकार्यता बढ़ जायगी तभी इस क्षेत्र में भारतवर्ष में सफलता मिलने वाली है। दबाव या इंड्रूसमेंट से मैं मानता हूं कि अधिक सफलता नहीं मिलेगी।

SHRIMATI JYOTSNA CHANDA : Just now the hon. Minister stated that encouragement and education are given to take advantage of the family planning programme. Are Government aware that a minority community is not taking advantage of these measures? If so, do they propose to enable them to do so? Is any law in contemplation for this purpose?

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : The facilities of family planning are being utilised by all communities more or less. If there is difference, it is due to the lack of education and other relevant information.

#### Sale of Arms to South Africa

+  
\*303 SHRI N. S. BISHT :  
SHRI R. P. DAS :  
SHRI T. S. LAKSHMANAN :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the U. N. Special Committee